वर्ष 2030 तक एशिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा भारत

प्रलिम्सि के लयि:

सकल घरेलू उत्पाद (GDP), स्टार्टअप, प्रत्यक्ष वदिशी नविश (FDI), 'मेक इन इंडया', इलेक्ट्रॉनकि्स पर राष्ट्रीय नीतः-2019 (NPE 2019)

मेन्स के लयि:

भारत की अर्थव्यवस्था की स्थतिसि संबंधति चतिाएँ और इस संबंध में उठाए गए कदम

चर्चा में क्यों?

'इंफॉर्मेशन हैंडलगि सर्वसिेज़' (IHS) मार्कटि रपिोर्ट के मुताबकि, भारत वर्ष 2030 तक जापान को एशया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में पीछे छोड़ सकता है।

- भारत वर्तमान में अमेरकिा, चीन, जापान, जर्मनी और यूनाइटेड कगिडम के बाद छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है।
- आईएचएस मार्कटि दुनयाि भर में अर्थव्यवस्थाओं को संचालति करने वाले प्रमुख उद्योगों और बाज़ारों के लयि सूचना, वशि्लेषण और समाधान प्रस्तुत करने वाली एक अग्रणी वैश्वकि कंपनी है।

नोट: कसिी देश की समग्र अर्थव्यवस्था का आकार प्रायः उसके [सकल घरेलू उत्पाद]() द्वारा मापा जाता है, जो कसिी दयि गए वर्ष में कसिी देश के भीतर उत्पादति सभी अंतमि वस्तुओं और सेवाओं का मूल्य होता है।

प्रमुख बदिु

- **जीडीपी अनुमान:**
  - मूल्य के संदर्भ में भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार वर्ष 2021 में 2.7 ट्रलियिन अमेरकिी डॉलर था, जसिके वर्ष 2030 तक बढ़कर 8.4 ट्रलियिन अमेरकिी डॉलर हो जाने का अनुमान है।
    - यह बढ़ोतरी अर्थव्यवस्था के मामले में जापान को पीछे करने हेतु काफी है, जसिसे भारत वर्ष 2030 तक एशयिा-प्रशांत क्षेत्र में दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।
  - पछिले वति्त वर्ष में 7.3% की गरिावट की तुलना में वर्ष 2021-22 में भारत की वकिास दर 8.2% रहने का अनुमान है।
  - हालाँकचिालू वति्त वर्ष (FY) की गतविर्ष 2022-23 में भी जारी रहेगी और भारत 6.7% की वृद्धदिर हासलि करेगा।
- **वभिनि्न क्षेत्रों की भूमकिा:**
  - भारत की वकिास दर को बढ़ाने में ई-कॉमर्स क्षेत्र के साथ-साथ वनिर्माण, बुनयिादी ढाँचा और सेवा क्षेत्र की बड़ी भूमकिा है।
  - इतना ही नहीं, डजिटिलीकरण बढ़ने से आने वाले समय में ई-कॉमर्स बाज़ार और बड़ा हो जाएगा।
    - एक रपिोर्ट के मुताबकि वर्ष 2030 तक 1.1 अरब भारतीयों के पास इंटरनेट होगा, वर्ष 2020 में यह संख्या 50 करोड़ थी।
- **वृद्धदिर:**
  - कुल मलिाकर भारतीय अर्थव्यवस्था का भवषि्य मज़बूत और स्थरि दखिता है, जो इसे अगले दशक में सबसे तेज़ी से बढ़ने वाला देश बनाता है।
  - लंबी अवधमिें भी बुनयिादी ढाँचा क्षेत्र और स्टार्टअप जैसे तकनीकी वकिास भारत की तीव्र वकिास दर को बनाए रखने में बड़ी भूमकिा नभिाएंगे।
    - दुनयिा की सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक होने के नाते भारत उद्योगों की एक वसि्तृत शृंखला में बहुराष्ट्रीय कंपनयिों के लयि सबसे महत्त्वपूर्ण दीर्घकालकि वकिास बाज़ारों में से एक बन जाएगा, जसिमें ऑटो, इलेक्ट्रॉनकि्स, परसिंपत्ति प्रबंधन, स्वास्थ्य देखभाल और सूचना प्रौद्योगकिी एवं रसायन जैसे वनिर्माण उद्योग तथा बैंकगि, बीमा जैसे सेवा उद्योग शामलि हैं।

- **मध्यम वर्ग का समर्थन:**
    - भारत को सबसे ज्यादा मदद उसके विशाल मध्यम वर्ग से मिलती है, जो उसकी मुख्य उपभोक्ता शक्ति है।
        - अगले दशक में भारतीय उपभोक्ता खर्च भी दोगुना हो जाएगा। यह वर्ष 2020 में 1.5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2030 में 3 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर हो सकता है।
- **एफडीआई अंतर्वाह:**
    - पिछले पाँच वर्षों में भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्रवाह में बड़ी वृद्धि 2020 और 2021 में भी मज़बूत गति के साथ जारी है।
    - इसे **वैश्विक प्रौद्योगिकी बहुराष्ट्रीय कंपनियों (MNCs) जैसे कि Google और Facebook से निवेश के बड़े प्रवाह** से बढ़ावा मिल रहा है, जो भारत के बड़े घरेलू उपभोक्ता बाज़ार की ओर आकर्षित हैं।
- **भारत की अर्थव्यवस्था की वर्तमान स्थिति:**
    - वर्ष 2021-22 की पहली तिमाही के **सकल घरेलू उत्पाद** के अनंतिम अनुमानों के अनुसार, मौजूदा कीमतों पर भारत की **GDP** वित्त वर्ष **2012 की पहली तिमाही में 694.93 बिलियन अमेरिकी डॉलर** थी।
    - भारत **दुनिया का चौथा सबसे बड़ा यूनिकॉर्न बेस** है, जहाँ 21 से अधिक यूनिकॉर्न का सामूहिक मूल्य 73.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर है।

अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिये सरकार की पहल

- **'मेक इन इंडिया' और इलेक्ट्रॉनिक्स 2019 पर राष्ट्रीय नीति (एनपीई 2019)**
- **विभिन्न क्षेत्रों में उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (पीएलआई)**
- **प्रमुख दूरसंचार क्षेत्र के सुधार:**
    - सितंबर 2021 में प्रमुख **दूरसंचार क्षेत्र में सुधारों** को मंज़ूरी दी गई है, जिससे रोज़गार, विकास, प्रतिस्पर्द्धा और उपभोक्ता हितों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।
    - समायोजित सकल राजस्व और बैंक गारंटी (**BGs**) का युक्तिकरण तथा स्पेक्ट्रम साझाकरण को प्रोत्साहित करना प्रमुख सुधारों में से हैं।
- **डीप ओशन मिशन:**
    - भारत सरकार ने अगस्त 2021 में अगले पाँच वर्षों में 4,077 करोड़ (553.82 मिलियन अमेरिकी डॉलर) के बजट परिव्यय के साथ **डीप ओशन मिशन (DOM) को** मंज़ूरी दी।
- **अक्षय स्रोतों पर ध्यान देना:**
    - ऊर्जा उत्पन्न करने के लिये भारत अक्षय स्रोतों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। यह वर्ष 2030 तक अपनी ऊर्जा का 40% गैर-जीवाश्म स्रोतों से प्राप्त करने की योजना बना रहा है, जो वर्तमान में 30% से अधिक है और वर्ष 2022 तक अपनी **नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को 175 गीगाटन (GW)** तक बढ़ाना है।
    - इसके अनुरूप भारत और यूनाइटेड किंगडम ने संयुक्त रूप से मई 2021 में वर्ष 2030 तक जलवायु परिवर्तन में सहयोग एवं मुकाबला करने हेतु एक 'रोडमैप 2030' लॉन्च किया।

आगे की राह

- एक ओर जहाँ वर्ष 2021 में विनिर्माण और निर्माण जैसे क्षेत्रों में तेजी से सुधार हुआ, वहीं दूसरी ओर, कम-कुशल व्यक्ति, महिलाएँ, स्वरोज़गार वाले लोग और छोटी फर्में पीछे रह गईं।
- बुनियादी ढाँचा और विनिर्माण दो स्तंभ हैं जिनका उपयोग संरचनात्मक रूप से विकास को आगे बढ़ाने के लिये किया जाना चाहिये।
    - हालाँकि बुनियादी ढाँचे के निर्माण या निवेश चक्र के पुनरुद्धार के लिये, सामान्य तौर पर निजी क्षेत्र को भी योगदान देना शुरू करना होगा।
    - निजी कॉरपोरेट और घरों में पुनरुद्धार के लिये बुनियादी बातें वित्तीय संस्थानों, विशेष रूप से बैंकों के साथ बेहतर स्थिति, कॉरपोरेट्स और कम ब्याज दर शासन के साथ उभर रही हैं।
- वित्त वर्ष 2022 में भारतीय अर्थव्यवस्था की रिकवरी पूरी तरह से इस बात पर निर्भर करती है कि घरेलू आय कितनी तेजी से बढ़ रही है एवं अनौपचारिक क्षेत्र और छोटी फर्मों में गतिविधि सामान्य रहती है।
- निजी क्षेत्र को लंबी अवधि के लिये संपत्ति निर्मित करने के साथ भारत में व्यापार को आसान बनाने तथा लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाना चाहिये।
- कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी भारत के विकास का एक प्रमुख चालक है। इसलिये भारत को महिलाओं की भागीदारी बढ़ानी चाहिये।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/india-to-become-asia-2nd-largest-economy-by-2030